

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग ¹¹—सण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PARï II—Section 3 --Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 697] **नई विल्ली, नंगलवार, नवम्बर 27, 1990/अग्रहायण 6, 1912** No. 697] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER, 27 1990/AGRAHAYANA 6, 1912

इ.स. भाग भें भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1990

का. जा. 917(ब्र):— यत: नेशनल सोर्णानस्ट काऊंसिल ग्राफ नागालैण्ड ग्रौर विभिन्न नेताको के नहत उसके सभी गुटों ग्रौर घटकों. जिन्हें इसमें इसके पण्चात् एत. एस. सी. एन. कहा गया है, एत्रं. एत. एस. सी. एन. की ग्रोन से ग्रथवा उसके नाम से कार्य करने वाली एजेन्सियां

(1)

- (1) नागालैण्ड में भारत के लोगों को सम्प्रमु नागालैण्ड स्थापित करने का श्रिध-कार दिलाने एवं फलस्वरूप भारत से अलग होने को अपने उद्देश्य के रूप में घोषित करती रही हैं।
 - (2) ऐसी गतिविधियों में लिप्त रही हैं जिनका श्राणय भारत की सम्प्रभूता तथा अखंडता को छिन्न-भिन्न करना है,
- (3) अपने उद्देश्य के अनुसरण में, जिसने अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हिंसा का रास्ता अपनाने तथा आतंक का बातावरण उत्पन्न करने तथा विश्वसम्मत ढंग में स्थापित सरकार की सत्ता को दुर्बल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता समय ममय पर इहराई है। हिंसा की गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल है :---
 - (क) क्षति पहुंचाने तथा शस्त्र एवं गोला बारूद छीनने के उद्देण्य मे मुरका बलों तथा पुलिस की चौकियों, गरतों तथा कार्सिकों पर घात लगाकर आक्रमण करना तथा हमले करना,
- (ख) भ्रपने कोष में वृद्धि के लिए सरकारी कोषों, राष्ट्रीकृत बैकों तथा दूसरे वाणि-ष्यिक प्रतिष्ठाणों में लूटपाट तथा डकैतियां करना,
 - (ग) उनके हिन के कथित रूप से विरोधी व्यक्तियों की हत्या तथा ऐसे नागरिकों की हत्या करना जिन पर सुरक्षा बलों तथा पुलिस के मुखबिर होने का सन्देह है,
- (घ) धन ऐंठता, राशन की बसूली करना, नये कार्यकर्ताओं की भर्ती करना म्रादि; श्रीर यत: केन्द्रीय सरकार का उसके समक्ष उपलब्ध सामग्री के आधार पर यह मत है कि एन. एम. सी. एन. एक विधि-विरुद्ध संगठन है;

धनः श्रव, विधि-विरुद्ध श्रियाकलाप (निवारण) श्रिधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा अदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्दारा नेगनल सोशलिस्ट कार्कसिल श्राँफ नागालण्ड की, इसके ग्टों श्रींर घटकों सिन्न एक विधि विरुद्ध संगठन घोषित करती है।

केन्द्रीय सरकार का धार्म यह मत है कि परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अर्थात् एन. एस. सी. एन. द्वारा हाल ही में पुलिस, अन्य सशस्त्र बलों तथा नागरिकों के खिलाफ की जा रही लगातार हिंसा का मुकाबला करने के लिए एन. एस. सी. एन. की तत्काल प्रभावी रूप से एक विधि-विरुद्ध संगठन बोधित करना स्रावस्थक है, श्रीर तदनुसार उक्त धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है कि यह श्रिधसूचना उक्त श्रिधनियम की धारा 4 के तहत किए जाने वाले किसी श्रादेश के श्रध्यधीन, सरकारी राजपद्ध में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगी।

> [फा. सं. 11/42/86---- एन ई--1 (बाल्यूम-III)] विनय शंकर, संयुक्त सर्विव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November, 1990

- S.O. 917(E).—Whereas the National Socialist Council of Nagaland, and all factions and wings thereof under various leaders, hereinafter referred to as NSCN, and the agencies purporting to act on or behalf of NSCN or in its name:
 - has been declaring as its objective the securing to the people of India in Nagaland, the right to establish sovereign Nagaland, and thereby to seeded from India,
 - (2) has been engaging in activities intended to disrupt the sovereignty and integrity of India.
 - (3) in pursuance of its objective has, from time to time reiterated its commitment to pursue the violent path for achieving its objective and unleashing a reign of terror and undermining the authority of the lawfully established government. The violent activities include (a) ambushes and attacks on posts, patrols and personnel of the security forces and the police with a view to inflicting casualties and snatching arms and ammunition, (b) looting and robberies of government treasuries, nationalised banks and other commercial establishments for augmenting their finances, (c) assassination of persons allegedly apposed to their interest and killing of civilians suspected to be informers of the security forces or the police, (d) extortion of funds, collection of rations, enlistment of new recruits etc:

And whereas the Central Government is of the opinion that on the materials placed before it, the NSCN is an unlawful association:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the National Socialist Council of Nagaland (NSCN) including all its factions and wings as unlawful association.

1

The Central Government is further of opinion that having regard to the circumstances namely, the urgent need to meet the sustained violence committed by the NSCN in the recent past against the police, the other armed forces and the civilians, it is necessary to declare the NSCN as unlawful association with immediate effect, and accordingly in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section the Central Government directs that the notification shall subject to any other that may be made under section 4 of the said act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 11|42|86-NE, I (Vol. III)] VINAY SHANKAR, Jt. Secy.